यूक्रेनी लोक कथा

स्टोन माउंटेन का चमत्कार

चित्र: वी. हुबेन्को, हिंदी: अरविन्द गुप्ता

इस कहानी में मैं आपको एक गरीब आदमी के बारे में बताऊंगा जिसके तीन बेटे थे: पेट्रो, दिमित्रो और मूर्ख फेडको. लड़के बड़े हो गए, लेकिन गरीब आदमी के पास जो जो ज़मीन थी वो इतनी छोटी थी कि उस पर एक खरगोश आराम से छलांग लगा सकता था. उसके घर में बेइंतहा गरीबी थी. बैठने, रोने, गिड़गिड़ाने और चिल्लाने से भी उन्हें कोई मदद नहीं मिलती.

अंत में वो गरीब आदमी एक अमीर आदमी के पास गया और उसने कहा:

"मुझे एक जोड़ी बैल और एक हल उधार दे दो. मैं और मेरे बेटे तुम्हारा क़र्ज़ चुका देंगे. जब भी आपको मज़दूरों की ज़रुरत होगी तब हम हाज़िर होंगे."

"ठीक है, तुम तीन दिनों तक मेरे खेतों में कुदाल चलाओ."

"हम वो ज़रूर करेंगे."

गरीब आदमी बैलों को हांकते हुए अपने द्वार तक गया और फिर उसने अपने सबसे बड़े बेटे को पुकारा:

"वहां, गांव से परे, स्टोन माउंटेन है, वहां जाओ, वहां की ज़मीन जोतो, और उसमें गेहूं बोओ."

पेट्रो बैलों को हांकते हुए पहाड़ तक ले गया. उसने गाड़ी से हल उठाया और काम करने लगा. जैसे ही उसने पहली नाली की जुताई पूरी की, तभी एक काला, बालों वाला हाथ पहाड़ी की गहराई से बाहर आया और उसने बैलों को इतनी जोर से मारा कि जानवर, हल सहित, एक गहरी खाई में उड़ गए.

दुखी होकर पेट्रो घर लौटा और उसने अपने पिता को पूरी बात बताई.

बेचारा गरीब आदमी बहुत गुस्सा हुआ और चिल्लाया:

"मेरे घर से निकल जाओ! और जब तक मैं जीवित हूं मैं तुम्हें दोबारा नहीं देखना चाहता हूं!"

फिर पेट्रो ने अपने कंधे पर अपनी जैकेट फेंकी और घर से बाहर चला गया.

वो गरीब आदमी फिर एक दूसरे अमीर आदमी के पास गया. वहां से उसने फिर बैल और हल उधार लिये.

घर पहुंचकर उसने अपने दूसरे बेटे को पुकारा और कहा:

"तुम एक प्रतिभाशाली बालक हो. स्टोन माउंटेन के पास जाओ, वहां की ज़मीन जोतो और उसमें गेहूं बोओ."

दूसरा बेटा बैलगाड़ी में चढ़कर पहाड़ी की ओर गया. उसके भाई पेट्रो ने एक दिन पहले जो नाली जोती थी वो इस तरह गायब हो गई जैसे वो कभी थी ही नहीं. दिमित्रो ने अपनी आस्तीनें ऊपर चढ़ाईं. उसने एक बार पहाड़ के चारों ओर हल चलाया और फिर दूसरी बार हल चलाना शुरू किया. जैसे ही वह खड्ड के पास पहुंचा, तभी पहाड़ से एक काला, बालों वाला हाथ उठा और उसने बैलों को इतनी जोर से झटका दिया कि वे और हल दोनों चट्टान पर जा गिरे, और उनके पीछे केवल एक हल्की सी आवाज़ रह गई.

दिमित्रो भयभीत हुआ. वो अपने पिता को उस हादसे के बारे में कैसे बता सकता था? बूढ़ा पिता उसे मार डालता!

उसने अपने कंधे पर एक बैग डाला और फिर वो अपने भाई पेट्रो से मिलने के लिए दौड़ा.

गरीब आदमी अपने बेटे दिमित्रो का इंतजार कर रहा था. वो खुश था कि आखिरकार स्टोन माउंटेन को जोता और रोपा गया था.

लेकिन दिन बीत गया और उसका बेटा वापस नहीं आया. बेटे की मां रोने लगी और गरीब आदमी ने उसे सांत्वना देने की कोशिश की.

"रोओ मत, पत्नी. दिमित्रो काम ख़त्म करके ही आएगा. इसीलिए उसे इतनी देर हुई है."

अगले दिन, तीसरे बेटे, मूर्ख फेडको ने अचानक अपना सिर बिस्तर से बाहर निकाला और कहा:

"पिताजी, दिमित्रो ने स्टोन माउंटेन की जुताई नहीं की. बैल मारे गए हैं और हल टूट गया है, और अब दिमित्रो, पेट्रो से मिलने के लिए गया है."

"और तुमसे यह कैसे पता, मूर्ख लड़के?"

"मुझे किसी ने नहीं बताया. लेकिन मैं सब कुछ जानता हूँ..."

फिर गरीब आदमी देखने के लिए खुद स्टोन माउंटेन गया. उसने चट्टान के ऊपर से देखा.

बगल में खड्ड की तली में दो जोड़ी बैल और टूटे हुए हल पड़े हुए थे. गरीब आदमी घर लौटा. वो बेंच पर बैठ गया और अपने दोनों बेटों के लिए शोक मनाने लगा. पूरी रात वो दुखी रहा और चिंतित भी, क्योंकि अपने बेटों के बिना, वो उन अमीर लोगों के क़र्ज़ को कैसे चुका सकता था.

"चिंता मत करो, पिताजी," अंततः फेडको ने बिस्तर में लेटे हुए कहा. "कल मैं जाऊंगा और हल जोतूंगा. बस मेरे लिए एक जोड़ी बैल ले आओ. मैं गेहूं बोऊंगा, अपने भाइयों को भी ढूंढूंगा और मैं सभी जानवरों को वापस लाऊंगा."

गरीब आदमी फिर बाहर गया. वो एक बार फिर कुछ बैल और एक हल उधार लिया.

फेडको बैलगाड़ी में चढ़ा और गाते हुए स्टोन माउंटेन की ओर चला. जब उसने चट्टान के ऊपर से नीचे देखा तो उसकी कमीज उसकी पीठ से चिपक गई थी. वहां, सबसे नीचे, चार मरे हुए बैल और दो टूटे हुए हल पड़े हुए थे. अपने डर पर काबू पा लेने के बाद फेडको काम पर लग गया. उसने एक खेत में जुताई की और फिर दूसरे खेत में जुताई शुरू कर दी. अचानक, पहाड़ से, एक काला, बालों वाला हाथ फिर से बाहर निकला और दोनों बैलों को पहले की तरह मारने के लिए तैयार हुआ.

लेकिन फेडको तेज़ था. उसने लगाम गिरा दी और उस हाथ को पकड़ लिया. उसने उस हाथ को एक शिकंजे की जकड़ की तरह पकड़ा. उसने इतनी मजबूती से उसे पकड़ा कि दुनिया की कोई भी ताकत उसे छुड़ा नहीं सकती थी. फिर वो रस्सी को खींचने लगा. वह तब तक खींचता रहा जब तक उसकी सांस फूलने नहीं लगी. काफी मशक्कत के बाद उसने उस शैतान को बाहर निकाला. उसने उसे बालों से पकड़कर ज़मीन पर पटक दिया और उसे अपने घुटनों से दबाया.

"बदमाश! तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई, लोगों के साथ इस तरह की शरारत करने की? अब जब मैंने तुम्हें पकड़ लिया है, इसलिए अब मैं तुम्हें ज़िंदा नहीं छोड़ूंगा!"

"मेरी जान मत लो, फेडको!" शैतान से विनती की, क्योंकि उसी ने वो शरारत की थी.

"तुम्हें पकड़ने के लिए मेरे हाथ लंबे समय से खुजली कर रहे थे..."

फेडको ने अपनी शर्ट से एक पॉकेट-चाकू निकाला. उससे उसने शैतान के बाएं कान का सिरा काटा और उसे अपनी बेल्ट के नीचे दबा दिया.

"देखो शैतान, अब हम तुम अपने हल में जोतोगे और पूरे स्टोन माउंटेन को जोतेंगे ताकि वहां पर सुनहरे गेहूं की फसल उग सके."

"लेकिन मुझे हल चलाना पसंद नहीं है, युवा साथी. मैं कुछ और करूंगा..."

लेकिन फेडको ने उसकी एक नहीं सुनी. उसने बैलों पर से जुआ उतारकर उसे शैतान के गले में लटका दिया. फिर उसने उस पर इतनी ज़ोर से कोड़ा मारा कि दुष्ट शैतान उछल पड़ा.

"चलो, शैतान के बेटे!"
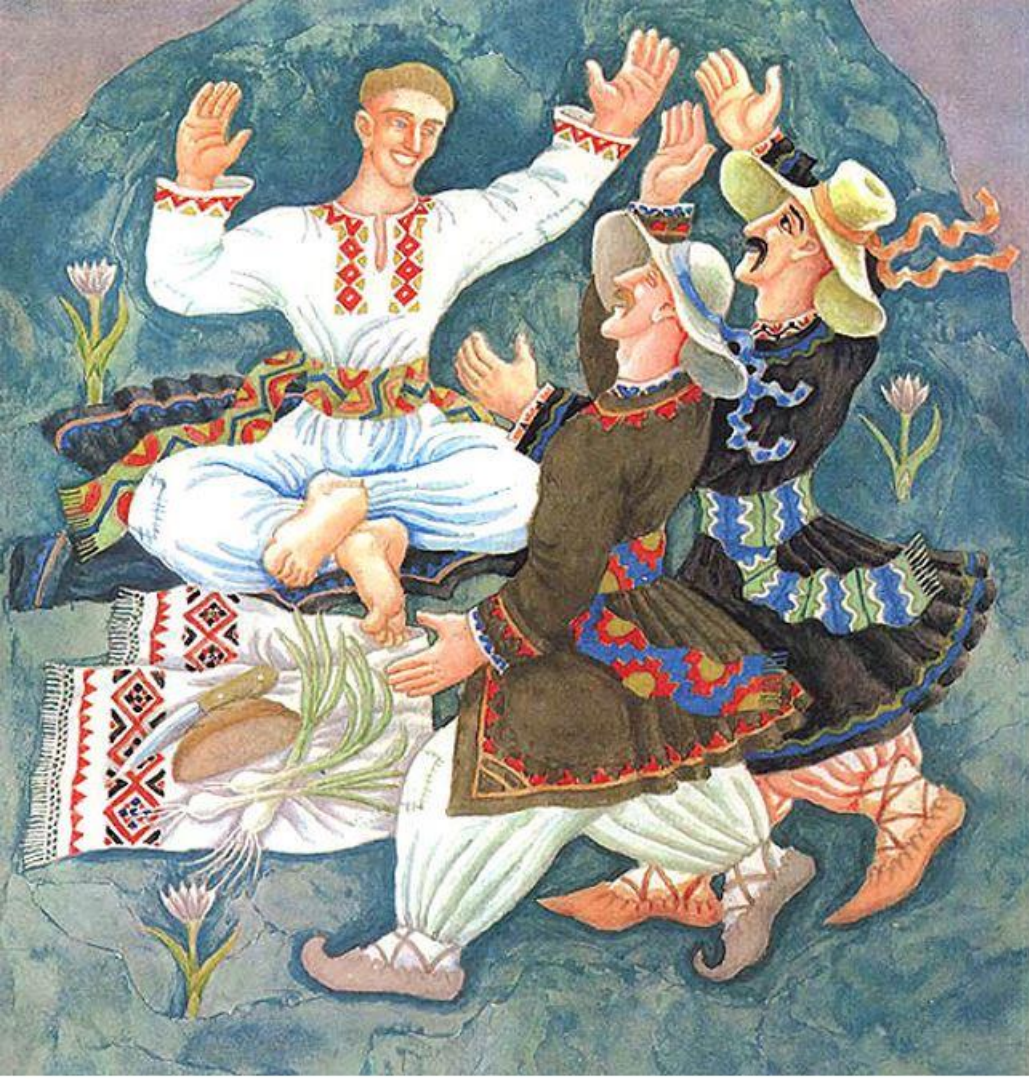
शैतान ने हल को खींचा और खींचा. वैसा करने से उसकी आंखें लगभग बाहर आ गईं, जबकि फेडको हल के हैंडल को पकड़कर और कुछ धुन गुनगुनाते हुए उसके पीछे-पीछे चलता रहा. उन्होंने बहुत देर तक जुताई की. कुछ देर में स्टोन माउंटेन पर खेती की कठोर ज़मीन अब हंस के पंखों की तरह नरम हो गई.

शैतान का पसीना नाले में बहने लगा.

"अब, फेडको, दौड़ो और गेहूं लेकर आओ. इस बीच मैं कुछ आराम करूंगा," शैतान ने लड़के से कहा. "लेकिन जल्दी करो, क्योंकि मुझे अभी और भी काम करने हैं."

फेडको हांफते हुए घर भागा और वो गेट पर खड़े होकर चिल्लाया:

"पिताजी, जल्दी से मुझे बोने के लिए कुछ गेहूं दें, क्योंकि शैतान के पास ज़्यादा समय नहीं है!"

गरीब आदमी ने गेहूं का एक थैला निकाला. उसने बेटे को ज़्यादा गेहूं नहीं दिया क्योंकि उसे डर था कि कहीं फेडको उसे बर्बाद न कर दे.

शैतान ने जोती हुई धरती पर बीज बोए, उसे अपनी पूंछ से उन्हें हल्के से दबाया, फिर फेडको के सामने दयनीय ढंग से झुककर उसने विनती की:

"कृपया मुझे मेरे बाएं कान का सिरा वापस दे दो!"

"हो सकता है कि तुम दूसरे काम में भी दर्द चाहते हो? मैं अपने भाइयों पेट्रो और दिमित्रो को तुरंत यहां देखना चाहता हूं, नहीं तो मैं तुम्हारी याद में एक मोमबत्ती जलाऊंगा!"

"कोई मोमबत्ती मत जलाओ, फेडको! सब कुछ वैसा ही होगा जैसा तुम चाहोगे."

उसी क्षण एक अप्रत्याशित, भयानक आंधी चली. हवा का प्रकोप बढ़ गया. फिर शैतान पहाड़ी पर बैठा और न जाने कहां उड़ गया. लेकिन वो जल्द ही पेट्रो और दिमित्रो के साथ वापिस लौटा.

"यह रहे आपके भाई," उसने फेडको से कहा. "अब मेरे बाएं कान का सिरा वापस दे दो!"

"इतनी जल्दी नहीं, अनाड़ी बेवकूफ, तुमने हल क्यों नष्ट किये? मैं उन्हें यहां बैलों के साथ चाहता हूँ, जीवित और एकदम नए!"

शैतान घूमता रहा और वो खड्ड में कूदा. एक क्षण में वह दो नये हल और जीवित बैलों के साथ वापस आया.

"अब, कृपया मुझे मेरे बाएं कान का सिरा वापिस कर दो!" शैतान चिल्लाया. फेडको ने उसकी बेल्ट के नीचे से कान का टुकड़ा निकाला और उसे शैतान की ओर फेंक दिया:

"अब मैं यहां दोबारा तुम्हारी खाल और बाल को कभी नहीं देखना चाहता हूं!" फेडको ने उसे डराया. "तुम उन खड्डों और दलदलों में जाकर रहो जहां के तुम रहने वाले हो. अगर तुम यहां फिर से आए तो फिर तुम्हारी खैर नहीं!"

शैतान ने अपने कान का सिरा उठाया और फिर वो वहां से तेज़ी से भागा.

फिर तीनों भाई बैलगाड़ी में चढ़े और घर गए. गरीब आदमी अपने बेटों को देखकर बहुत खुश हुआ.

पेट्रो और दिमित्रो मेज पर बैठे और उन्होंने अपने माता-पिता को अपने कारनामों के बारे में बताया. जबकि फेडको बिस्तर पर चढ़ गया और बिल्ली के साथ खेलने लगा.

अगले दिन वह गरीब आदमी खुद यह देखने के लिए स्टोन माउंटेन पर गया कि सब ठीक-ठाक हुआ था या नहीं.

वो वहां ऐसे खड़ा था मानो वो जड़ हो गया हो. उसे अपने सामने गेहूं के विशाल खेत को देखकर विश्वास नहीं हो रहा था. गेहूं पूरी तरह से पक चुका था और कटाई के लिए तैयार था. गेहूं के डंठल चांदी के थे और उसकी बालियान सोने की तरह चमक रही थीं.
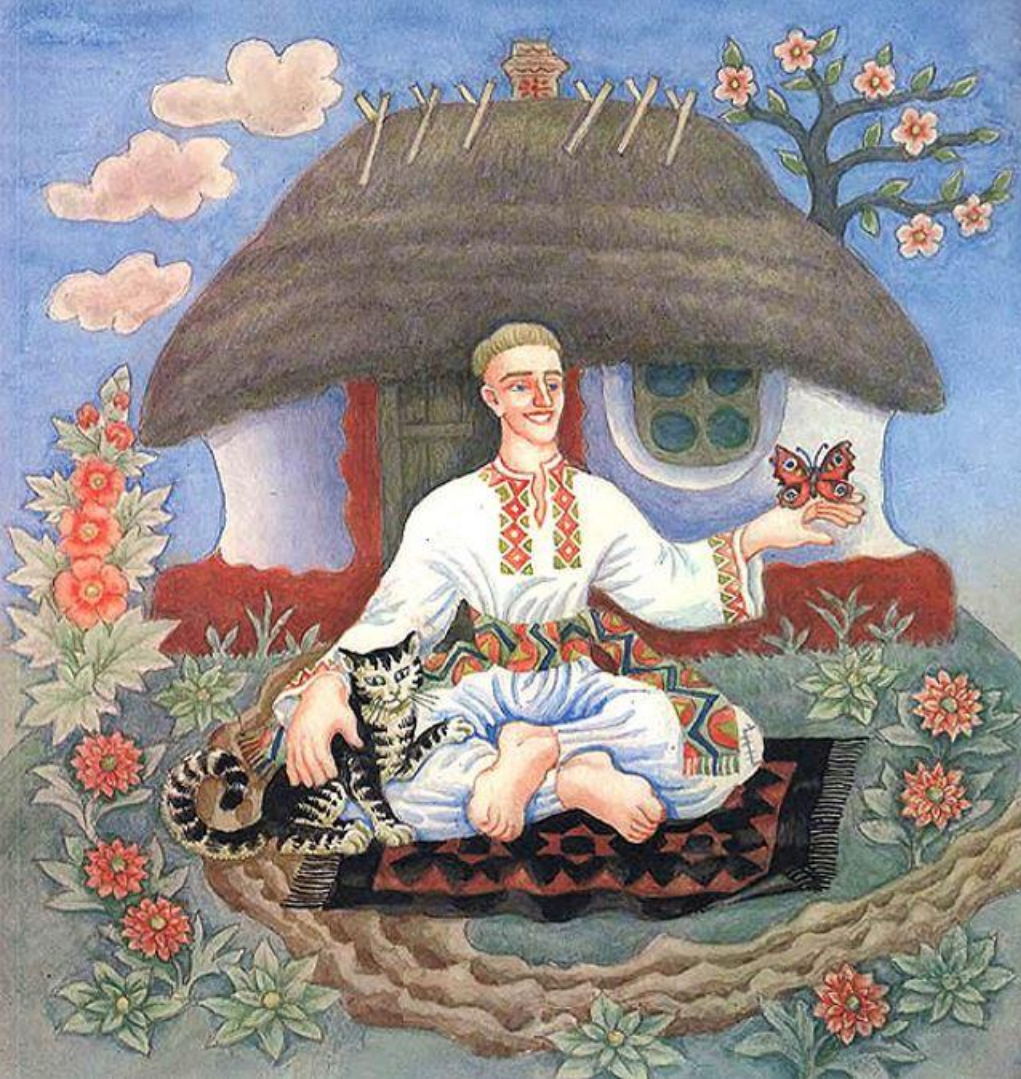
गरीब आदमी घर भागा और चिल्लाया:

"आओ, बेटों, अपने हंसिये उठाओ और स्टोन माउंटेन की ओर निकल पड़ो! हमारी फसल पहले से वहां तैयार है!"

पेट्रो और दिमित्रो इच्छाशक्ति के साथ काम करने के लिए निकल पड़े, लेकिन फेडको पीछे रह गया, वो अपने बिस्तर पर लेटा रहा.

हम नहीं जानते कि इसके बाद क्या हुआ, क्योंकि कहानी यहीं ख़त्म होती है.